।। ॐ जय श्री श्याम हरे।।

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे,
खाटू धाम विराजत, अनुपम रूप धरे, ॐ जय श्री श्याम....

रत्न जड़ित सिंहासन, सिर पर चँवर दूरें,
तन केशरिया बागो, कुण्डल श्रवण पड़े, ॐ जय श्री श्याम....

गल पुष्पों की माला, सिर पर मुकुट धरे,
खेवत धूप अग्नि पर, दीपक ज्योति जले, ॐ जय श्री श्याम....

मोदक खीर चूरमो, सुवर्ण थाल भरे,
सेवक भोग लगावत, सेवा नित्य करे, ॐ जय श्री श्याम....

झाँझ कटोरा और घड़ियावल, शंख मृदंग दूरें,
भक्त आरती गावे, जय जयकार करे, ॐ जय श्री श्याम....

जो ध्यावे फल पावें, सब दुःख से उबरे,
सेवकजन निज मुख से, श्री श्याम-श्याम उचरे, ॐ जय श्री श्याम....

श्री श्यामबिहारीजी की आरती, जो कोई नर गावे,
कहत 'आलूसिंह' स्वामी, मनवांछित फल पावे, ॐ जय श्री श्याम....

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे,
निज भक्तों के तुमने, पूराण काम करे, ॐ जय श्री श्याम....